आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 270 | उज्जैन, बुधवार 20 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

घर में बहन-बेटियों के साथ आती है हर सिद्धि, बहनों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी संस्कृति में रक्षाबंधन का विशेष महत्व है। जब तक घर में बेटा न आए सिद्धि नहीं होती, लेकिन घर में जब तक बेटी न जाए हर सिद्धि अर्थात पूर्णता प्राप्त नहीं हो सकती है। रक्षाबंधन त्यौहारों का राजा है। बहनों के आशीर्वाद से जीवन सफल हो जाता है। बहनों के कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को भोपाल के चांदबड़ क्षेत्र के वार्ड 37 में आयोजित विशाल रक्षाबंधन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाभारत काल में भगवान श्रीकृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का सिर धड़ से अलग किया तब भगवान श्रीकृष्ण की उंगली में चोट लग गई थी। इस पर द्रौपदी ने साड़ी का पल्लू फाड़कर भगवान श्रीकृष्ण की अंगुली पर बांधा था। यह राखी का प्रतीक था। इसके बाद से रक्षाबंधन की परम्परा प्रारंभ हो गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब परिवारों को आवास, गैस चूल्हा और अन्य सुविधाएं देने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बहनों को लोकसभा और राज्यसभा में अधिक प्रतिनिधित्व देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वे किसानों और जवानों की क्षमताओं पर भरोसा करते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया का सबसे सक्षम देश बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज कतिपय लोग चुनाव आयोग और सेना का भी सम्मान नहीं करते। रक्षाबंधन कार्यक्रम के पूर्व चांदबड़ क्षेत्र में हुए रोड शो में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का नागरिकों ने पुष्पहारों से और गुलाब की पंखुड़ियां बरसाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बहनों ने रक्षासूत्र बांधे।

कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि नरेला क्षेत्र में 16 साल से भव्य रक्षाबंधन महोत्सव मनाया जा रहा है। पिछले साल डेढ़ लाख बहनों ने महोत्सव में राखियां बांधी थीं। भाई-बहन का रिश्ता अटूट होता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश भी विकास के पथ पर अग्रसर है।

पीएम मोदी के साथ मंच साझा नहीं करेंगी ममता बनर्जी, इस वजह से बंगाल CM ने लिया ऐसा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 22 अगस्त को कोलकाता मेट्रो की तीन परियोजनाओं के उद्घाटन समारोह में मौजूद नहीं रहेंगी। इन परियोजनाओं का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करने वाले हैं।

राज्य सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मेट्रो परियोजनाओं के उद्घाटन में शामिल न होने का निर्णय भाजपा शासित राज्यों में बंगाल के लोगों के कथित उत्पीड़न की पृष्ठभूमि में लिया गया है।

अश्विनी वैष्णव ने भेजा था निमंत्रण- शीर्ष नौकरशाह ने कहा कि ऐसे में मुख्यमंत्री केंद्र सरकार के अधिकारियों के साथ मंच साझा नहीं करना चाहतीं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 14 अगस्त को लिखे एक पत्र में ममता को आगामी शुक्रवार को तीन मेट्रो परियोजनाओं के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया था। अधिकारी ने दावा किया कि इन रेल परियोजनाओं की योजना और वित्तपोषण मूलरूप से ममता बनर्जी ने रेल मंत्री रहते हुए किया था। वर्षों की धीमी प्रगति के बाद भाजपा अब चुनाव से पहले इनका उद्घाटन कर श्रेय लेने की कोशिश कर रही है।

आईआईटी के शोधकर्ताओं ने ब्लैकहोल के एक्स-रे सिग्नल को किया डिकोड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने इसरो के यूआर राव सेटेलाइट सेंटर और इजरायल के हाइफा विश्वविद्यालय के सहयोग से एक ब्लैकहोल से उत्सर्जित रहस्यमय एक्स-रे सिग्नल पैटर्न को डिकोड किया है। ब्लैक होल जीआरएस 1915+105 पृथ्वी से लगभग 28 हजार प्रकाश वर्ष दूर है।

किसी गुप्त या जटिल जानकारी को समझने को डिकोड करना कहते हैं। अधिकारियों के अनुसार भारत की अंतरिक्ष वेधशाला एस्ट्रोसेट से प्राप्त डाटा का उपयोग करते हुए शोधकर्ताओं ने ब्लैक होल से निकलने वाली एक्स-रे को चमकीले और मंद चरणों के बीच बदलते हुए देखा। इस शोध के निष्कर्षों को प्रतिष्ठित पत्रिका मंथली नोटिसेज ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी में प्रकाशित किया गया है। दुनियाभर के शोधकर्ता कर रहे स्टडी

दुनियाभर के शोधकर्ता ब्लैक होल को समझने का प्रयास कर रहे हैं। जब ब्लैक होल विभिन्न तारों की बाहरी परतों से गैस खींचते हैं, तो वे अत्यधिक ऊष्मा और एक्स-रे उत्सर्जित करते हैं।

सीमा पर तैनात हमारी सेना..., NSA डोभाल ने चीनी विदेश मंत्री से डायरेक्ट कह दी ये बड़ी बात, पीएम मोदी का भी हो गया जिक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने मंगलवार को भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से मुलाकात की। हैदराबाद हाउस में हुई ये मुलाकात सीमा विवाद पर 24वें दौर की वार्ता थी।

बैठक के दौरान, NSA डोभाल ने कहा कि पिछले साल कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बैठक के बाद से भारत-चीन संबंधों में उन्नति देखी गई है और सीमाओं पर शांति है।

दोनों देशों के संबंधों में इसमें सुधार हुआ- डोभाल

डोभाल ने कहा, दोनों देशों के संबंधों में इसमें सुधार हुआ है। सीमाएं शांत हैं। दोनों देशों के बीच शांति और सौहार्द बना हुआ है। हमारे द्विपक्षीय संबंध और भी मजबूत हुए हैं। हम अपने नेताओं के प्रति अत्यंत आभारी हैं, जिन्होंने पिछले अक्टूबर में कजान में एक नई दिशा की शुरूआत की और तब से हमें बहुत लाभ हुआ है।

उन्होंने कहा कि कजान वार्ता से बने नए माहौल ने दोनों पक्षों को सहयोग के कई क्षेत्रों में आगे बढ़ने में मदद की है। वार्ता के मौजूदा दौर के बारे में आशा व्यक्त करते हुए, डोभाल ने कहा कि भारत को उम्मीद है कि यह 24वीं एसआर-स्तरीय वार्ता पिछले साल की तरह ही समान रूप से सफल होगी और अगले महीने एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री की चीन यात्रा के दौरान इसका विशेष महत्व होगा। इस वर्ष भारत-चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ पर प्रकाश डालते हुए, डोभाल ने कहा कि यह जश्न मनाने का समय है।

डोभाल ने आगे कहा कि इस नई ऊर्जा और नई गति के साथ, आपके व्यक्तिगत प्रयासों और हमारी राजनयिक टीमों, राजदूतों और सीमाओं पर तैनात हमारी सेनाओं की परिपक्वता और जिम्मेदारी की भावना के साथ, हम इस बार यह कर पाए हैं।

3,000 बीघा जमीन निजी कंपनी को आवंटित करने पर कोर्ट ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुवाहाटी हाईकोर्ट ने असम के आदिवासी बहुल दीमा हसाओ जिले में एक निजी सीमेंट कारखाने को 3,000 बीघा जमीन आवंटित करने पर राज्य सरकार की आलोचना की है और पूछा है कि क्या यह कोई मजाक है।

कोर्ट ने उत्तरी कछार हिल्स जिला स्वायत्त परिषद (एनसीएचडीएसी) के वकील को निर्देश दिया कि वह कंपनी को जमीन का इतना बड़ा हिस्सा आवंटित करने की नीति से संबंधित रिकार्ड प्राप्त करके अदालत के समक्ष पेश करें।

जस्टिस संजय कुमार मेधी ने अपने आदेश में कहा कि मामले के तथ्यों पर सरसरी निगाह डालने से पता चलता है कि आवंटित की गई जमीन लगभग 3000 बीघा है, जो अपने आप में असाधारण प्रतीत होती है।

याचिका की सुनवाई के दौरान जज ने कहा, 3,000 बीघा!..क्या हो रहा है? 3,000 बीघा जमीन एक निजी कंपनी को आवंटित?..यह कैसा फैसला है? क्या यह कोई मजाक है या कुछ और? पिछले हफ्ते दो रिट याचिकाओं की सुनवाई के दौरान जज ने एक टिप्पणी में कहा कि यह पूरे जिले का क्षेत्रफल हो सकता है।

पहली याचिका असम सरकार, एनसीएचडीएसी और अन्य संबंधित विभागों के खिलाफ 22 लोगों द्वारा दायर की गई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि उन्हें दीमा हसाओ जिले में उनकी वैध रूप से अधिकृत भूमि से बेदखल किया जा रहा है।

मुंबई में खुला देश का पहला प्राइवेट गणित अनुसंधान संस्थान, दुनिया भर के शीर्ष शोधकर्ता और गणितज्ञ होंगे शामिल

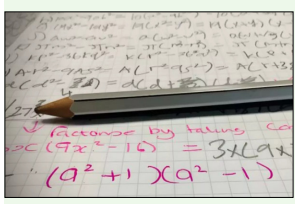

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश का पहला प्राइवेट गणित अनुसंधान संस्थान मुंबई में सोमवार से खुल गया। लोढ़ा फाउंडेशन ने मुंबई में लोढ़ा गणितीय विज्ञान संस्थान (एलएमएसआई) का उद्घाटन किया। इस मौके पर लोढ़ा डेवलपर्स के सीईओ और एमडी अभिषेक लोढ़ा ने संस्थान के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका नेतृत्व डॉ. कुमार मूर्ति करेंगे और इसमें दुनिया भर के शीर्ष शोधकर्ता और गणितज्ञ शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि प्रवासी भारतीयों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय गणितज्ञ भी इस संस्थान के विकास को लेकर उत्सुक हैं।

इंडियन एस्ट्रोनॉट के बारे में क्या सोचते हैं विदेशी? पीएम मोदी के साथ बातचीत में शुभांशु शुक्ला ने खुद बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन पूरा कर भारत लौटने के एक दिन बाद हुई। इसका एक वीडियो पीएम मोदी ने शेयर किया, जिसमें शुभांशु ने उन्हें अपने स्पेस मिशन के एक्सपीरियंस के साथ-साथ यह भी बताया कि विदेश के एस्ट्रोनॉट भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के बारे में क्या सोचते हैं।

पीएम मोदी की ओर से एक्स पर शेयर किए गए वीडियो में शुभांशु ने स्पेस स्टेशन में बिताए अपने दिनों और अनुभवों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जब ऊपर जाते हैं तो वहां का वातावरण अलग है, ग्रेविटी नहीं है। जब स्पेस में पहुंच जाते हैं तो उसी कैप्सूल में घूम फिर सकते हैं।

दिल की धड़कने हो जाती हैं धीमी- शुभांशु शुक्ला ने कहा, अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद शारीरिक रूप से भी काफी बदलाव होते हैं। दिल की धड़कनें धीमी हो जाती हैं। चार-पांच दिन के बाद बॉडी उसी वातावरण को अपना लेती है और नॉर्मल हो जाते हैं। फिर जब वापस आते हैं तो फिर से वही बदलाव देखने को मिलते हैं। चाहे आप कितने भी स्वस्थ हों जमीन पर आने के बाद आप चल नहीं सकते।

उन्होंने आगे बताया, मैं पूरी तरह से स्वस्थ था लेकिन जमीन पर पहला कदम रखा तो मैं गिर रहा था। लोगों ने मुझे पकड़ रखा था। पता होता है कि चलना है लेकिन दिमाग को ये स्वीकार करने में समय लगता है कि अब जमीन पर चलना है।

मूंग और मेथी के प्रयोग के बारे में क्या बोले शुभांशु- उन्होंने कहा, मुझे इस बात का अचंभा था कि लोगों को इस बारे में पता ही नहीं था। स्पेस स्टेशन पर फूड बहुत बड़ी चुनौती है। जगह कम है, कार्गो महंगा है और भी कई तरह की परेशानियां हैं। स्पेस में इनको उगाना बहुत आसान है। आप छोटी सी जगह में इन्हें उगा सकते हैं, पानी डालिए और आठ से दस दिन में वो अंकुरित हो जाते हैं।

भारतीयों को लेकर क्या सोचते हैं विदेशी- शुभांशु ने कहा, मेरा जो व्यक्तिगत अनुभव रहा है, मैं जहां भी गया और जिससे भी मिला तो मुझसे मिलकर सभी लोग बहुत खुश हुए। सबसे बड़ी बात यह थी कि सभी को पता था कि भारत स्पेस के फील्ड में क्या कर रहा है। गगनयान के बारे में कई लोग तो मुझसे आकर पूछते थे कि आपका मिशन कब जा रहा है।

पुतिन के बारे में फुसफुसाए ट्रंप और गलती से ऑन रह गया माइक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में यूरोपीय लीडर्स से बात की। हालांकि, बैठक शुरू होने से पहले ट्रंप का माइक गलती से खुला रह गया और उन्होंने पुतिन के बारे में कुछ ऐसा कहा, जो सुनकर सभी के होश उड़ गए।

दरअसल बैठक शुरू होने से पहले ट्रंप ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कान में कुछ फुसफुसाया। मगर माइक ऑन होने की वजह से ट्रंप की बात सभी ने सुन ली। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी धड़ल्ले से वायरल हो रहा है।

व्हाइट हाउस में बड़ी बैठक - दरअसल सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की समेत 7 यूरोपीय देश के नेता व्हाइट हाउस पहुंचे।

इस दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, फिनलैंड की राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब, यूरोपीयन यूनियन की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन समेत नाटो के महासचिव मार्क रूट मौके पर मौजूद रहे।

मैक्रों के कान में फुसफुसाए ट्रंप- यूरोपीय नेताओं के साथ बैठक शुरू होने के पहले ट्रंप और मैक्रों एक-साथ खड़े थे। तभी ट्रंप ने पुतिन के बारे में बात करते हुए मैक्रों के कान में फुसफुसाते हुए कहा-

मुझे लगता है वो (रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन) डील करना चाहते हैं। वो मेरे लिए यह डील करना चाहते हैं। क्या आप इसका मतलब समझते हैं? यह सुनने में अजीब लग रहा है ना?

बैठक पर दी जानकारी- ट्रंप का यह वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। ट्रंप और मैक्रों के बीच की यह बात वहां मौजूद सभी ने सुन ली। बता दें कि ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को जल्द खत्म करवाने का फैसला किया है।

यूरोपीय नेताओं के साथ मुलाकात क बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर इसकी जानकारी देते हुए कहा, रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौते की संभावना को लेकर हर कोई बहुत खुश है।

फ्लोरिडा में खतरनाक यूटर्न से गई तीन लोगों की जान, भारतीय मूल के ड्राइवर पर भड़के अमेरिकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। फ्लोरिडा में एक सड़क हादसा ट्रंप प्रशासन और कैलिफोर्निया के एक राज्यपाल गविन न्यूसम के बीच तनाव का कारण बन गया है। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। इस हादसे को लेकर ट्रंप प्रशासन ने कैलिफोर्निया के राज्यपाल पर सवाल खड़े किए हैं।

फ्लोरिडा में एक सेमी ट्रक ड्राइवर ने अचानक से यू-टर्न ले लिया। इस दौरान ट्रक एक मिनीवैन से टकरा गया और हादसे में 3 लोगों की जान चली गई। ट्रक ड्राइवर की पहचान हरजिंदर सिंह के रूप में हुई है।

ट्रंप प्रशासन ने हादसे पर उठाए सवाल- ट्रंप प्रशासन का आरोप है कि हरजिंदर सिंह भारत से है और एक अवैध शरणार्थी होने के बावजूद उसके पास कैलिफोर्निया विभाग के द्वारा जारी किया गया ड्राइविंग लाइसेंस था।

अमेरिका के होमलैंड सुरक्षा विभाग ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, और कितने मासूम लोगों को जान गंवानी होगी? जिसके बाद गविन न्यूसम अमेरिकी लोगों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ बंद करेंगे।

हम अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं। इन अपराधी अवैध विदेशियों को हम जल्द ही अमेरिका से बाहर निकालेंगे।

वहीं, DHS के आरोपों पर पलटवार करते हुए कैलिफोर्निया के गवर्नर न्यूसम ने कहा कि जब हरजिंदर सिंह अवैध तरीके से अमेरिका में घुसा, तो ट्रंप राष्ट्रपति थे। कैलिफोर्निया के नियम के अनुसार, कोई देश में रहने वाला व्यक्ति ही ड्राइविंग लाइसेंस हासिल कर सकता है।

पाकिस्तान के साथ ट्रंप ने कर ली ऐसी डील, अमेरिकी कंपनियों के लिए खतरे की घंटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तान के तेल भंडारों के संयुक्त विकास के लिए एक नए अमेरिका-पाकिस्तान समझौते की घोषणा ने दक्षिण एशियाई भू-राजनीति में और जटिलताएं पैदा कर दी हैं। इसकी वजह यह है कि इस समझौते के निहितार्थ ऊर्जा विकास के घोषित उद्देश्य से कहीं आगे तक हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यह ऊर्जा समझौता खुद अमेरिकी कंपनियों के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है।

ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि पाकिस्तान में विशाल तेल भंडार है। मगर, पाकिस्तान का पारंपरिक कच्चे तेल का उत्पादन वैश्विक मानकों के हिसाब से बेहद कम है। उसका तेल भंडार लगभग 23.8 करोड़ बैरल है, जो पश्चिम एशियाई उत्पादक देशों की तुलना में बहुत कम है। बलूचिस्तान में विशाल खनिज भंडार, पर राजनीतिक दृष्टि से बेहद अस्थिर पाकिस्तान की असली संभावनाएं उसकी प्राकृतिक गैस संपदा (अनुमानित 18 ट्रिलियन क्यूबिक फीट) और तकनीकी रूप से पुनः प्राप्त करने योग्य तेल भंडार में निहित हैं, जिनकी मात्रा लगभग नौ अरब बैरल आंकी गई है और जो मुख्यतः बलूचिस्तान के बेसिनों में केंद्रित हैं।

नमस्ते... ट्रंप-जेलेंस्की की मीटिंग के बीच व्हाइट हाउस में मेलोनी ने अपनाया भारतीय अंदाज

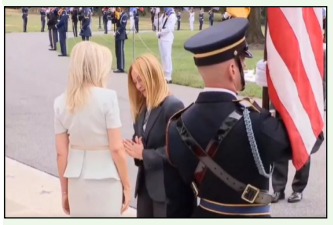

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बीच मुलाकात की चर्चा तो पूरी दुनिया में हो रही है लेकिन इन सब के बीच इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने सबका ध्यान उस वक्त अपनी ओर खींचा, जब व्हाइट हाउस में उनका नमस्ते वाला अंदाज देखने को मिला।

दरअसल, नमस्ते... हाथ जोड़कर अभिवादन करने की एक भारतीय परंपरा है और मेलोनी को कई बड़े मौकों पर इसी अंदाज में लोगों का अभिवादन करते हुए देखा गया है। इससे पहले इटली में जी-7 समिट के दौरान भी नेताओं का नमस्ते करके स्वागत किया था। मेलोनी का नमस्ते वाला अंदाज सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया है। उनका भारतीय शैली में नमस्ते कहना उनकी विनम्रता और वैश्विक संस्कृति के प्रति सम्मान का प्रतीक माना जा रहा है। लोग इसे एक सम्मानजनक और वैकल्पिक अभिवादन का उदाहरण बता रहे हैं, जो कोरोना महामारी के दौरान काफी लोकप्रिय हुआ था।

एक वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी को इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का अभिवादन करते और शिखर सम्मेलन के दौरान उनके साथ संक्षिप्त बातचीत करते हुए दिखाया गया है।

अमेरिका में फिर धांय-धांय, वर्जीनिया में अंधाधुंध फायरिंग में 2 लोगों की मौत; हमलावर ने खुद को भी मारी गोली

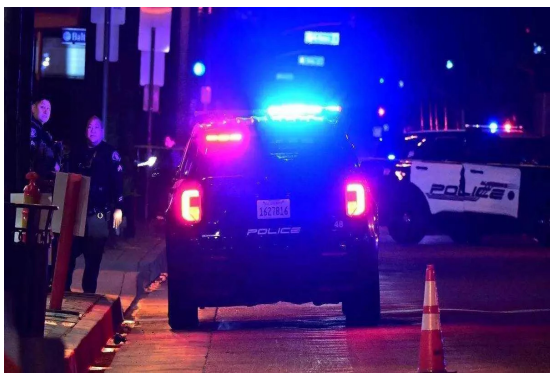

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में एक बार फिर फायरिंग देखने को मिली, जिसमें गनमैन समेत 2 लोगों की मौत हो गई। वहीं, गोली लगने से 3 अन्य लोग गंभीर रूप से जख्मी हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यह मामला पश्चिमी वर्जीनिया के माउंट कार्बन का है। सोमवार को गोलीबारी से लोगों में दहशत फैल गई। पुलिस ने लोगों को बाहर न निकलने के आदेश जारी किए थे।

क्या है पूरा मामला- पुलिस अधिकारी जेस मैकमुलेन के अनुसार, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जब संदिग्ध गोली चलाने वाले आरोपी का पीछा किया गया, तो उसका शव घर में पड़ा मिला। उसे भी गोली लगी थी, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस को शक है कि घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद को भी गोली मार ली। इसके अलावा एक और शख्स की गोली लगने से मौत हो गई।

जांच में जुटी पुलिस- मैकमुलेन के अनुसार, मौक पर मौजूद तीन अन्य लोगों को गोली लगी थी, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। उनका इलाज चल रहा है। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है और न ही इस घटना के पीछे की वजह सामने आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने घटना के बाद लोगों को बाहर न निकलने का आदेश दिया था। पूरे इलाके में नाकाबंदी कर दी गई थी। हालांकि, कुछ समय बाद आदेश वापस ले लिया और इलाके में सबकुछ नॉर्मल हो गया।

ब्रिटेन में 2 सिक्ख बुजुर्गों पर नस्लीय हमला, तीन युवकों ने बीच सड़क पर पीटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूके में तीन युवाओं ने सिक्ख समुदाय के दो लोगों पर नस्लीय हमला देखने को मिला है। उन्होंने बीच सड़क पर सिक्खों के साथ मारपीट की, जिस दौरान उनकी पगड़ी भी उतर गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

यह मामला यूके के वॉल्वरहैम्प्टन रेलवे स्टेशन के पास का बताया जा रहा है, जहां तीन युवकों ने अचानक सिक्खों को मारना शुरू कर दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को हिरासत में लिया। हालांकि, बाद में तीनों को जमानत पर रिहा कर दिया गया।

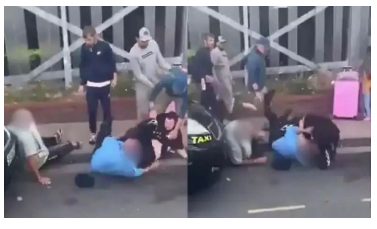

सुखबीर बादल ने जताई नाराजगी- शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल ने इस घटना पर आपत्ति जताते हुए विदेश मंत्री एस.जयशंकर से यह मामला यूके सरकार के सामने उठाने की मांग की है।

सुखबीर बादल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, मैं यूके में दो बुजुर्ग सिक्खों पर हुए इस भयानक हमले की सख्त निंदा करता हूं। इस दौरान एक सिक्ख की पगड़ी जबरन उतारी गई। सबका भला चाहने वाले सिक्ख समुदाय के खिलाफ इस तरह की नफरत भेदभाव पूर्ण मानसिकता को दर्शाती है।

सुखबीर बादल ने आगे कहा- मैं यूके के गृह मंत्रालय और पुलिस से गुजारिश करता हूं कि पीड़ितों को न्याय दिलाया जाए। साथ ही मैं केंद्रीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर से अपील करता हूं कि यह मामला यूके की संसद में उठाया, जिससे यूके में सिक्ख समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

100 अरब डॉलर की डील, यूक्रेन को सिक्योरिटी गारंटी... ट्रंप-जेलेंस्की की बैठक में क्या-क्या बात हुई?

नई दिल्ली (एजेंसी)। साढ़े तीन वर्ष से जारी यूक्रेन युद्ध की समाप्ति के लिए पहल सोमवार को एक कदम और आगे बढ़ी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की भारतीय समयानुसार सोमवार रात 11 बजे व्हाइट हाउस पहुंचे और करीब 45 मिनट तक उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से वार्ता हुई। वार्ता में जेलेंस्की ने यूक्रेन में शांति की इच्छा जताई और इसके लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से सीधे वार्ता को जरूरी बताया। ट्रंप ने कहा, पुतिन भी युद्ध नहीं चाहते हैं, इसलिए यूक्रेन में युद्ध खत्म होने की बेहतर संभावना है। सब ठीक रहा तो त्रिपक्षीय (पुतिन-ट्रंप-जेलेंस्की) वार्ता होगी। उन्होंने युद्ध के लिए सीधे तौर पर अपने पूर्ववर्ती राष्ट्रपति जो बाइडन को जिम्मेदार ठहराया। कहा- वह भ्रष्ट थे। ओवल ऑफिस में जिस समय ट्रंप और जेलेंस्की की वार्ता चल रही थी, उस समय एक अन्य कक्ष में यूरोप के सभी बड़े नेता यूक्रेन के समर्थन में मौजूद थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने मध्य रात्रि के बाद इन नेताओं से वार्ता की।

यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने का आश्वासन- ट्रंप और जेलेंस्की की वार्ता शुरू होने से पहले ही फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर, इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी, फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब, यूरोपीय संघ की प्रमुख उर्सला वान डेर लिएन और नाटो के महासचिव मार्क रुट व्हाइट हाउस पहुंच गए थे। ये नेता पूरे समय एक कक्ष में बैठकर ट्रंप और जेलेंस्की की वार्ता की जानकारी लेते रहे।

मुंबई में बारिश से सड़कों पर सैलाब, ट्रेनों-फ्लाइट्स की रफ्तार थमी; स्कूल और कॉलेज भी बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मायानगरी मुंबई में पिछले कई दिनों से तेज बारिश का सिलसिला जारी है। मुंबई के ज्यादातर इलाकों में जलभराव के कारण बाढ़ की स्थिति बन गई है। सड़कों पर कई किलोमीटर का लंबा जाम लगा है। रेलवे ट्रैक पर पानी भरने से मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेनों की रफ्तार भी खम गई है।

कुर्ला से होकर गुजरने वाली मीठी नदी खतरे से निशान से ऊपर बह रही है। नदी के आसपास के इलाकों में रहने वाले 350 लोगों को एक जगह से दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हालात का जायजा लिया है। बता दें कि मुंबई में पिछले 6 घंटे में 200 एमएम से ज्यादा बरसात हुई है। सरकार ने स्कूल, कॉलेज और सरकारी दफ्तरों को बंद करने का आदेश दे दिया है। वहीं, मुंबई पुलिस ने लोगों से घर में रहने की अपील की है। साथ ही प्राइवेट कंपनियों से कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम देने की गुजारिश की गई है।

मुंबई में जलभराव की स्थिति की जानकारी देते हुए डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने बताया- भारी बारिश के कारण BMC ने लगभग 300 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस लगातार स्थिति का जायजा ले रहे हैं। क्लस्ट ने भी हालातों पर नजर बना रखी है।

IMD ने मुंबई में तेज बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। मुंबई, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिनी और पालघर समेत आसपास के इलाकों और कोंकण तट पर तेज से बहुत तेज बारिश होने की चेतावनी दी गई है।

रेलवे ट्रैक पर पानी भरने के कारण सेंट्रल रेलवे ने छत्रपति शिवाजी महाराज और कुर्ला स्टेशन के बीच की सभी लोकल ट्रेनें रद कर दी हैं।

मनिका विश्वकर्मा के सिर सजा मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का ताज

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के जयपुर में हो रहे मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का विजेता चुन लिया गया है। इस प्रतियोगिता का ताज मनिका विश्वकर्मा के सिर सजा है। मनिका मूल रूप से राजस्थान के गंगानगर की रहने वाली हैं और दिल्ली में मॉडलिंग करती हैं।

मनिका को इसके पहले मिस यूनिवर्स राजस्थान 2024 के लिए भी चुना गया था। अब इस साल के अंत में थाईलैंड में होने वाले 74वें मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। मनिका ने अपनी जीत पर खुशी जताई है और अपने मेंटर्स का शुक्रिया अदा किया है।

मनिका बोलीं- प्रतियोगिता एक दुनिया है- अपनी जीत के बाद मनिका ने कहा, मेरी यात्रा मेरे शहर गंगानगर से शुरू हुई। मैं दिल्ली आई और प्रतियोगिता की तैयारी की। हमें अपने अंदर आत्मविश्वास और साहस जगाने की जरूरत है। सभी की इसमें बड़ी भूमिका थी। मैं उन सभी का धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मेरी मदद की और मुझे इस योग्य बनाया कि मैं आज हूं। प्रतियोगिता सिर्फ एक क्षेत्र नहीं है, यह अपनी ही एक दुनिया है जो व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करती है। मनिका की जीत पर अभिनेत्री और जूरी सदस्य उर्वशी रौतेला ने कहा, प्रतियोगिता बहुत कठिन थी।

सर्वसम्मति से..., सीपी राधाकृष्णन को लेकर विपक्ष समेत सभी दलों से पीएम मोदी की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को मंगलवार को सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों की एक बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के कई सहयोगी दलों सहित उनके शीर्ष नेताओं ने सम्मानित किया। राधाकृष्णन बुधवार को अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं।

लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों वाले निर्वाचक मंडल में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को स्पष्ट बहुमत है। ऐसे में राधाकृष्णन की जीत निश्चित है। उधर, विपक्षी गुट INDIA ब्लॉक ने भी संकेत दिए हैं कि वह अपना उम्मीदवार उतारकर मुकाबला कराएगा।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के साथ-साथ सभी दलों से सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद पर सर्वसम्मति से चुनने की अपील की है। 67 साल के राधाकृष्णन एक अनुभवी भाजपा नेता हैं और वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते दिन सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, थिरु सीपी राधाकृष्णन जी से मुलाकात की।

कौन हैं बी. सुदर्शन रेड्डी? जिन्हें INDIA ने बनाया उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 9 सितंबर को होने वाला उपराष्ट्रपति पद का चुनाव बेहद दिलचस्प होने वाला है। एक तरफ एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया है तो वहीं विपक्षी की ओर से इंडी गठबंधन ने सुप्रीम कोर्ट कोर्ट के पूर्व जज बी. सुदर्शन रेड्डी के नाम की घोषणा कर दी। खास बात यह है कि दोनों ही उम्मीदवार दक्षिण भारत से नाता रखते हैं।

सुदर्शन रेड्डी के नाम का फैसला कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई बैठक में लिया गया, जहां गठबंधन के नेताओं ने संयुक्त उम्मीदवार उतारने पर चर्चा की। जस्टिस (रिटायर्ड) रेड्डी का चार दशकों का प्रतिष्ठित कानूनी करियर रहा है।

बी सुदर्शन रेड्डी का जन्म 8 जुलाई 1946 को मौजूदा तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के तत्कालीन इब्राहिमपटनम तालुका के अकुला मायलाराम गांव में एक किसान परिवार में हुआ था।

उन्होंने 1971 में हैदराबाद की उस्मानिया यूनिवर्सिटी से लॉ की डिग्री हासिल की और आंध्र प्रदेश बार काउंसिल में एक वकील के रूप में नामांकन कराया। इसके बाद आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में रिट और सिविल मामलों में प्रैक्टिस की।

बी सुदर्शन रेड्डी ने 1988 से 1990 के बीच आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में सरकारी वकील के रूप में कार्य किया है और 1990 में कुछ समय के लिए केंद्र के अतिरिक्त स्थायी वकील के रूप में भी कार्य किया है। वह उस्मानिया विश्वविद्यालय के कानूनी सलाहकार और स्थायी वकील भी रहे।

वह 1995 में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश बने। 2005 में उन्हें गुवाहाटी हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया। 2007 में वह सुप्रीम कोर्ट के जज बने और 2011 में रिटायर हुए।

मार्च 2013 में जस्टिस रेड्डी (रिटायर्ड) गोवा के पहले लोकायुक्त बने। हालांकि, कुछ महीने बाद सितंबर में उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दे दिया।

जब राष्ट्रपति ने खुद राय मांगी है तो दिक्कत क्या है, तमिलनाडु-केरल सरकार की याचिका पर SC ने सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति की ओर से सुप्रीम कोर्ट से सलाह मांगे जाने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर मंगलवार को सर्वोच्च अदालत में सुनवाई हुई। कोर्ट ने केरल और तमिलनाडु सरकार की अर्जी पर कहा कि यदि राष्ट्रपति शीर्ष अदालत से सलाह लेना चाहते हैं इसमें गलत क्या है?

चीफ जस्टिस बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ ने यह सवाल तब उठाया जब तमिलनाडु और केरल सरकारों ने राष्ट्रपति रेफरेंस की स्वीकार्यता पर ही सवाल उठाया। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल थे।

पीठ ने रेफरेंस पर एक अहम सुनवाई शुरू करते हुए पूछा, जब राष्ट्रपति स्वयं संदर्भ मांग रही हैं, तो समस्या क्या है? क्या आप वाकई इसका विरोध करने के लिए गंभीर हैं? पीठ ने कहा कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि हम एक सलाहकार क्षेत्राधिकार में हैं।

राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से मांगी सलाह- बता दें कि मई 2025 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुच्छेद 143(1) के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए सुप्रीम कोर्ट से यह जानने की कोशिश की थी कि क्या न्यायिक आदेश राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर विचार करते समय राष्ट्रपति द्वारा विवेकाधिकार के प्रयोग के लिए समय-सीमाएं निर्धारित कर सकते हैं?

मामले पर केंद्र ने क्या कहा- केंद्र ने अपने लिखित निवेदन में कहा कि राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति पर निश्चित समय-सीमा थोपने का मतलब होगा कि सरकार का एक अंग संविधान द्वारा उसे प्रदान न की गई शक्तियों का प्रयोग कर रहा है, और इससे संवैधानिक अव्यवस्था पैदा होगी।

केरल सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता के. के. वेणुगोपाल ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 200, जिसके तहत राज्यपालों को राज्य के विधेयकों पर यथाशीघ्र कार्रवाई करने की आवश्यकता होती है, इससे संबंधित इसी तरह के प्रश्नों की व्याख्या शीर्ष अदालत पंजाब, तेलंगाना और तमिलनाडु से संबंधित मामलों में पहले ही कर चुकी है।

रत्नागिरी में भीषण हादसा, तेज रफ्तार SUV ने ऑटो रिक्शा और ट्रक को मारी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के रत्नागिरी में बड़ा सड़क हादसा देखने को मिला है। एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने ऑटो रिक्शा और ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से 4 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

रत्नागिरी पुलिस के अनुसार, यह हादसा सोमवार की रात 10:30 बजे पिंपरी खुर्द गांव की कराड-चिपलुन सड़क पर हुआ। घटनास्थल महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से महज 300 किलोमीटर की दूरी पर है।

कैसे हुआ हादसा- हादसे की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि ऑटो रिक्शा में एक बच्चा समेत 4 लोग सवार थे। इतने में तेज रफ्तार SUV ने ऑटो को टक्कर मारी और ऑटो काफी दूर तक SUV के साथ घसीटता चला गया।

इसके बाद SUV सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में 5 लोगों की जान चली गई। ऑटो में बैठे 4 लोग समेत SUV ड्राइवर की भी मौके पर मौत हो गई।

5 की मौत से हड़कंप- मृतकों की पहचान 65 वर्षीय इब्राहिम इस्माइल लोन, 50 वर्षीय नियाज मोहम्मद हुसैन सैय्यद, 40 वर्षीय शबाना नियाद सैय्यद और 4 वर्षीय हैदर नियाज सैय्यद के रूप में हुई है। चारों मृतक ऑटो रिक्शे में सवार थे और पुणे के पार्वती इलाके के निवासी थे। वहीं, 28 वर्षीय SUV ड्राइवर आसिफ हकीमुद्दीन सैफी उत्तराखंड से महाराष्ट्र आया था। हालांकि रास्ते में ही उसका एक्सीडेंट हो गया। हादसे की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

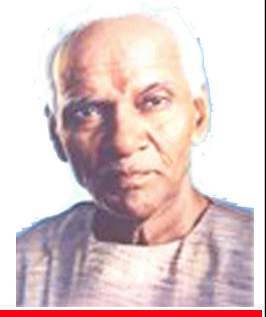

विक्रम संवत 2079 शुक्ल द्वादशी

संपादकीय

दुनियां में जिसके पास प्रसन्नता, मन की शांती, संतोष भरा मन हो वो भाग्यशाली और खुश इंसान है

दुनियां में जिसके पास प्रसन्नता, मन की शांती, संतोष भरा मन हो वो भाग्यशाली और खुश इंसान है। केवल आज की ही क्यूं वो इंसान हर दुनियां मे खुश है। महाभारत मे धर्मराज युधिष्ठिर से एक यक्षने प्रश्न पुछा के हे धर्मराज सबसे बडा सुख कौनसा है इस प्रश्न के उत्तर के स्वरूप युधिष्ठिरजी ने कहा समाधान ही सर्वोत्तम सुख है। मनुष्य के पास बहुत सारा पैसा हो अछी शादीशुदा जिंदगी हो अच्छे माता पिता हो लेकिन मन मे संतोष व प्रसन्नता न हो तो ऐसा व्यक्ती आज की या किसी भी दुनिया मे खुश नही हो सकता। आज की दुनिया मे पैसा अतिआवश्यक है। लेकीन मन का संतोष प्रसन्नता उससे भी अधिक आवश्यक है,और एक बात जो की आवश्यक है वो है आपकी सेहत, सेहत अछी हो तो व्यक्ती का जीवन आनंदमय होता है.वैसे तो कुदरत द्वारा रचित इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में रचनाकर्ता ने मानवीय जीवन में अनेक गुण दोषों को शामिल कर संजोया है, इसका उपयोग करने सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमता का भी सृजन कर दिया है। बस!! जरूरत है अब माननीय जीव को उसे गुण-दोष सुख-दुख खुशियां-गम प्रसन्नता-दुख इत्यादि का चुनाव कर अपने जीवन को सफल और असफल बनाएं उसके ऊपर है!! क्योंकि प्रसन्नता और सुख दुख भी बौद्धिक क्षमता के आधार पर माननीय जीव को खुद चुनना होता है! इसलिए आज हम इस पावन बेला पर मन की प्रसन्नता पर उसके गुणों, प्रक्रिया सुजन करने के तरीकों पर इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम प्रसन्नता की करें तो खुलकर हंसना, मुस्कुराना, प्रसन्न रहना, मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है, क्योंकि इसमें सब दुख तो नष्ट होते हैं,जीव अपने कर्म में असफल नहीं होता। बुद्धि तुरंत स्थिर रहती है। सामाजिक प्रतिष्ठा और गुणों की सुगंध दूर तक जाती है एक अलग हस्मुख व्यक्तित्व की हमारी छाया हमारे अपने परिचितों सहयोगियों पर पड़ती है। प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल खजाना है, जिसे जितना लूटाएंगे उतना ही बढ़ता चला जाएगा, खिलखिलाते चेहरे और प्रसन्नता की आंखों की चमक मनीषियों को दुर्लभ पूंजी है, क्योंकि प्रसन्नता सुकून से जीने की कुंजी है। यह खजाना तब बढ़ता है जब हम दूसरों की खुशीयों में अपनी खुशी को समाहित करते हैं। हमें छोटी-छोटी चीजों में प्रसन्नता, सुख ढूंढने की कोशिश करनी चाहिए, विश्वसनीय मन के भाव की खुशी का भाव अभूतपूर्व सफलता और दूरगामी सकारात्मक परिणाम होता है। आध्यात्मिकता, उदारता, परोपकार, सहनशीलता, सहिष्णुता इत्यादि मन की प्रसन्नता के प्रमुख स्त्रोतों में से कुछ हैं, जिनको जीवन में अपनाने की जरूरत को रेखांकित किया जा सकता है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस, संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी विश्व प्रसन्नता इंडेक्स रिपोर्ट इत्यादि अन्तर्राष्ट्रीय स्तरपर प्रसन्नता के मूल्यों की करें तो प्रसन्नता को हाई वैश्विक टॉनिक माना जाता है। प्रसन्नता दिवस मनाया जाता है अलग-अलग देशों के प्रसन्नता से रहने के क्रमांक बताए जाते हैं, परंतु बहुत हैरानी की बात है प्रसन्नता इंडेक्स में अनेक पूर्ण विकसित देशों के साथ ही भारत भी पिछड़ा हुआ है जो रेखांकित करने वाली बात है!! विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2022 में 146 देशों की रिपोर्ट के अनुसार फिनलैंड लगातार 5 वर्षों से प्रथम और डेनमार्क द्वितीय और आयरलैंड तृतीय स्थान पर है।जबकि इस रिपोर्ट में भारत 136 वी रैंक पर है याने लास्ट टॉप टेन इतनी ख़राब हालात जो आश्चर्य वाली बात है।

राजीव गाँधी

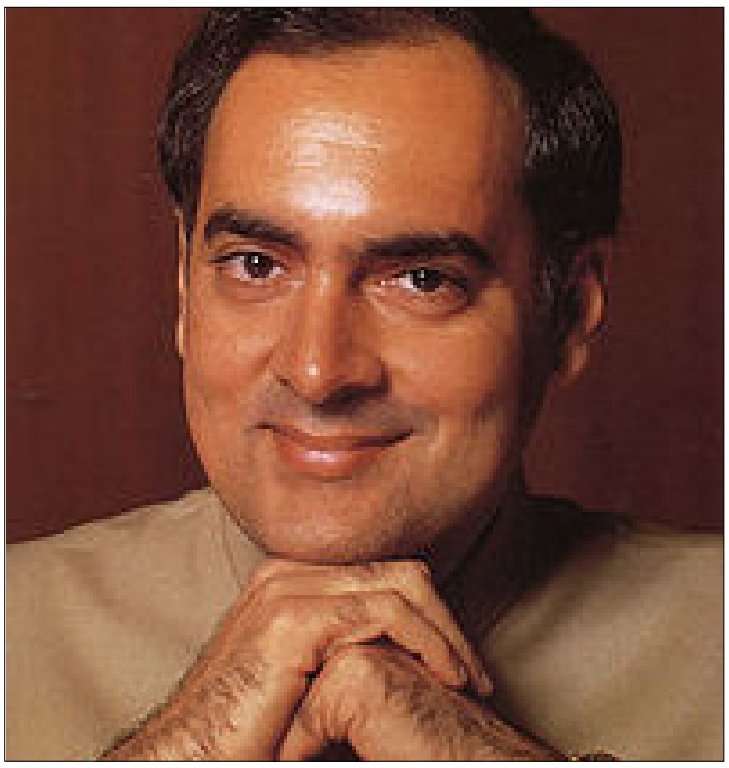

राजीव गाँधी भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के पुत्र और भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के दौहित्र और भारत के नौवें प्रधानमंत्री थे। उनका पूरा नाम राजीव रत्न गांधी था। राजीव गांधी भारत की कांग्रेस (इ) पार्टी के अग्रणी महासचिव (1981 से) थे और अपनी माँ की हत्या के बाद भारत के प्रधानमंत्री (1984-1989) बने। 40 साल की उम्र में देश के सबसे युवा और नौवें प्रधानमंत्री होने का गौरव हासिल करने वाले राजीव गांधी आधुनिक भारत के शिल्पकार कहे जा सकते हैं। वह पहले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने देश में तकनीक के प्रयोग को प्राथमिकता देकर कंप्यूटर के व्यापक प्रयोग पर जोर डाला। भारत में कंप्यूटर को स्थापित करने के लिए उन्हें कई विरोधों और आरोपों को भी झेलना पड़ा, लेकिन अब वह देश की ताकत बन चुके कंप्यूटर क्रांति के जनक के रूप में भी जाने जाते हैं। राजीव गांधी देश के युवाओं में काफ़ी लोकप्रिय नेता थे। उनका भाषण सुनने के लिए लोग काफ़ी इंतज़ार भी करते थे। राजीव देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री थे। उन्होंने अपने प्रधानमंत्रित्व काल में कई ऐसे फैसले लिए जिसका असर देश के विकास पर देखने को मिला।

जीवन परिचय- राजीव गाँधी का जन्म 20 अगस्त, 1944 को बंबई (वर्तमान मुंबई), भारत में हुआ था। कैम्ब्रिज में पढ़ाई के दौरान राजीव गांधी की मुलाकात एंटोनिया मैनो से हुई, विवाहोपरांत जिनका नाम बदलकर सोनिया गांधी रखा गया। राजीव गाँधी के दो सन्तानें है, पुत्र राहुल गाँधी और पुत्री प्रियंका गाँधी। राजीव तथा उनके छोटे भाई संजय गाँधी (1946-1980) की शिक्षा-दीक्षा देहरादून के प्रतिष्ठित दून स्कूल में हुई थी। इसके बाद राजीव गांधी ने लंदन के इंपीरियल कॉलेज में दाख़िला लिया तथा केंब्रिज विश्वविद्यालय (1965) से इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम पूरा किया, भारत लौटने पर उन्होंने व्यावसायिक पायलट का लाइसेंस प्राप्त किया और 1968 से इंडियन एयरलाइन्स में काम करने लगे।

राजनीतिक सफ़र- राजीव गांधी ने अपनी राजनीतिक आरुचि के बाद भी माँ इंदिरा गाँधी के आदेश पर राजनीति जीवन शुरू किया। छोटे भाई संजय के स्थान पर 1981 में अमेठी से पहला चुनाव जीता और लोकसभा में पहुंचे। जब तक उनके भाई जीवित थे, राजीव राजनीति से बाहर ही रहे, लेकिन एक शक्तिशाली राजनीति व्यक्तित्व के धनी संजय की 23 जून, 1980 को एक वायुयान दुर्घटना में मृत्यु हो जाने के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी राजीव को राजनीतिक जीवन में ले आई। जून 1981 में वह लोकसभा उपचुनाव में निर्वाचित हुए और इसी महीने युवा कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य बन गए।

राजनीतिक पृष्ठभूमि होने के बावजूद राजीव गांधी ने कभी भी राजनीति में रुचि नहीं ली। भारतीय राजनीति और शासन व्यवस्था में राजीव गांधी का प्रवेश केवल हालातों की ही देन था। दिसंबर 1984 के चुनावों में कांग्रेस को जबरदस्त बहुमत हासिल हुआ। इस जीत का नेतृत्व भी राजीव गांधी ने ही किया था। अपने शासनकाल में उन्होंने प्रशासनिक सेवाओं और नौकरशाही में सुधार लाने के लिए कई कदम उठाए। कश्मीर और पंजाब में चल रहे अलगाववादी आंदोलनकारियों को हतोत्साहित करने के लिए राजीव गांधी ने कड़े प्रयत्न किए। भारत में ग़रीबी के स्तर में कमी लाने और ग़रीबों की आर्थिक दशा सुधारने के लिए 1 अप्रैल 1989 को राजीव गांधी ने जवाहर रोजगार गारंटी योजना को लागू किया जिसके अंतर्गत इंदिरा आवास योजना और दस लाख कुआं योजना जैसे कई कार्यक्रमों की शुरुआत की।

असाधारण व्यक्तित्व- कोई व्यक्ति मानसिक रूप से कितना सुदृढ़ हो सकता है, इसकी मिसाल राजीव गाँधी थे। पहले छोटे भाई की मृत्यु और चार वर्षों बाद माँ की नृशंस हत्या, इस सब के बाद भी उनके कदम डगमगाए नहीं और वे और शक्ति के साथ भारत निर्माण की मंजिल की ओर बढ़ते गए। इंदिरा गांधी की मृत्यु के बाद लोकसभा में कांग्रेस का पूर्ण बहुमत था, राजीव गांधी लोकसभा के निर्वाचित सदस्य थे, फिर भी राजनीतिक शुचिता का परिचय देते हुए, उन्होंने पुनः लोकसभा में चुनाव समय पूर्व करवाए ताकि कोई यह अंगुली न उठा सके कि जनता ने इंदिरा जी को देखकर कांग्रेस को बहुमत दिया था, राजीव को नहीं। और राजीव गांधी के नेतृत्व में भारत के लोकतंत्र में इतिहास में कांग्रेस ने 542 में से 411 सीटें जीतकर एक नया रिकार्ड बनाया।

राजीव गांधी के गद्दी संभालने के समय उन्हें आतंकवाद से जलता झुलसता भारत मिला था। उत्तरी भाग में पंजाब तो उत्तरपूर्व में असम जैसे राज्य के आम नागरिक आतंकवादी और आतंकी घटनाओं से संघर्ष कर रहे थे और यह राजीव गांधी के लिए एक बड़ी पीड़ा का कारण था। उन्होंने पंजाब में आतंकवाद के हल करने की दिशा में अग्रसर होते हुए संत हरचरण सिंह लोंगोवाल से आग्रह किया कि ऐसा कुछ सार्थक किया जाए कि जिसके परिणामस्वरूप पंजाब की जनता को आतंक की आग से बचाया जा सके और इसकी परिणिति के रूप में राजीव-लोंगोवाल समझौता सामने आया, जिसका त्वरित प्रभाव यह रहा कि पंजाब के लोगों ने पहली बार मानसिक रूप से यह स्वीकार कर लिया कि पंजाब से आतंकवाद खत्म हो सकता है, और पंजाब के युवा पुनः देश के मुख्य धारा में सम्मिलित हो सकते हैं। यद्यपि संत लोंगोवाल के निधन से समझौते के परिणाम प्राप्त होने में समय ज़रूर लगा पर इस मानसिक दृढ़ता के बल पर ही पंजाब के लोगों ने धीरे-धीरे आतंकवाद पर विजय प्राप्त करी और आज पंजाब में सब कुछ सामान्य है।

प्रधानमंत्री के रूप में- 31 अक्टूबर 1984 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देश की डांवाडोल होती राजनीतिक परिस्थितियों को संभालने के लिए उन्हें प्रधानमंत्री बनाया गया। उस समय कई लोगों ने उन्हें नौसिखिया भी कहा लेकिन जिस तरह से उन्होंने यह जिम्मेदारी निभाई उससे सभी अचंभित रह गए। राजीव को सौम्य व्यक्ति माना जाता था। जो पार्टी के अन्य नेताओं से विचार-विमर्श करते थे और जल्दबाज़ी में निर्णय नहीं लेते थे। जब उनकी माँ की हत्या हुई, तो राजीव को उसी दिन प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई गई और उन्हें कुछ दिन बाद कांग्रेस (इ) पार्टी का नेता चुन लिया गया। उनका शासनकाल कई आरोपों से भी घिरा रहा जिसमें बोफोर्स घोटाला सबसे गंभीर था। इसके अलावा उन पर कोई ऐसा दाग़ नहीं था जिसकी वजह से उनकी निंदा हो। पाक दामन होने की वजह से ही लोगों के बीच राजीव गांधी की अच्छी पकड़ थी। श्रीलंका में चल रहे लिट्टे और सिंघलियों के बीच युद्ध को शांत करने के लिए राजीव गांधी ने भारतीय सेना को श्रीलंका में तैनात कर दिया। जिसका प्रतिकार लिट्टे ने तमिलनाडु में चुनावी प्रचार के दौरान राजीव गांधी पर आत्मघाती हमला करवा कर लिया। 21 मई, 1991 को सुबह 10 बजे के क़रीब एक महिला राजीव गांधी से मिलने के लिए स्टेज तक गई और उनके पांव छूने के लिए जैसे ही झुकी उसके शरीर में लगा आरडीएक्स फट गया। इस हमले में राजीव गांधी की मौत हो गई। देश में राजीव गांधी की मौत के बाद बहुत बड़ा रोष देखने को मिला।

योगदान- राजीव गांधी अपनी इच्छा के विपरीत राजनीति में आए थे। वह खुद राजनीति को भ्रष्टाचार से मुक्त करना चाहते थे लेकिन यह विडंबना ही है कि उन्हें भ्रष्टाचार की वजह से ही सबसे ज्यादा आलोचना झेलनी पड़ी। उन्होंने देश में कई क्षेत्रों में नई पहल और शुरुआत की जिनमें संचार क्रांति और कंप्यूटर क्रांति, शिक्षा का प्रसार, 18 साल के युवाओं को मताधिकार, पंचायती राज आदि शामिल है। राजीव ने कई साहसिक कदम उठाए जिनमें श्रीलंका में शांति सेना का भेजा जाना, असम समझौता, पंजाब समझौता, मिजोरम समझौता आदि शामिल है।

अलगाववादी आन्दोलन- दिसम्बर 1984 के आम चुनाव में उन्होंने पार्टी की ज़बरदस्त जीत का नेतृत्व किया और उनके प्रशासन ने सरकारी नौकरशाही में सुधार लाने तथा देश की अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के लिए ज़ोरदार क़दम उठाए। लेकिन पंजाब और कश्मीर में अलगाववादी आन्दोलन को हतोत्साहित करने की राजीव की कोशिश का उल्टा असर हुआ तथा कई वित्तीय साज़िशों में उनकी सरकार के उलझने के बाद उनका नेतृत्व लगातार अप्रभावी होता गया। 1989 में उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफ़ा दे दिया, लेकिन वह कांग्रेस (इ) पार्टी के नेता पद पर बने रहे।

RBI का बड़ा एलान, रीइश्यू करेगा 36000 करोड़ की गवर्नमेंट सिक्योरिटीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक यानी RBI ने 22 अगस्त को 36,000 करोड़ रुपए की गवर्नमेंट सिक्योरिटीज़ की नीलामी कराने का ऐलान किया है। यह नीलामी मुंबई स्थित आरबीआई कार्यालय में होगी।

सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, इस री-इश्यू 6,000 करोड़ रुपए की 5.91% गवर्नमेंट सिक्योरिटी 2028 और 30,000 करोड़ रुपए की 6.33% गवर्नमेंट सिक्योरिटी 2035 शामिल होंगी। इसके अलावा, सरकार को हर एक सिक्योरिटी पर अतिरिक्त 2,000 करोड़ रुपए तक की सब्सक्रिप्शन रखने का विकल्प भी रहेगा।

कैसे नीलामी करेगा आरबीआई- बोली RBI के ई-कुबेर सिस्टम के जरिए ऑनलाइन ली जाएगी। नॉन-कम्पटीटिव बिड सुबह 10:30 से 11:00 बजे तक ली जाएंगी। जबकि कम्पटीटिव बिड सुबह 10:30 से 11:30 बजे तक स्वीकार की जाएंगी।

कम्पटीटिव बिड में बड़े निवेशक अपनी पसंद का प्राइस या यील्ड बताते हैं और अलॉटमेंट कट-ऑफ प्राइस के आधार पर तय होता है। वहीं नॉन-कम्पटीटिव बिड में छोटे निवेशकों को औसत नीलामी कीमत पर सिक्योरिटी अलॉट की जाती है।

छोटे निवेशकों के लिए रिजर्वेशन- सरकार ने छोटे निवेशकों और पात्र संस्थाओं के लिए कुल नोटिफाइड अमाउंट का 5% हिस्सा रिजर्व रखा है।

ब्याज और भुगतान की तारीखें- 5.91% जीएस 2028 पर ब्याज हर साल 30 जून और 30 दिसंबर को मिलेगा और इसकी मैच्योरिटी 30 जून 2028 को होगी। जबकि 6.33त्न जीएस 2035 पर ब्याज हर साल 5 मई और 5 नवंबर को मिलेगा और इसकी मैच्योरिटी 5 मई 2035 को होगी।

नीलामी के नतीजे 22 अगस्त को आरबीआई की वेबसाइट पर जारी होंगे। सफल बोली लगाने वालों को भुगतान 25 अगस्त 2025 तक करना होगा। इसमें 24 अगस्त तक का ब्याज भी शामिल होगा।

क्यों जारी होती हैं ये सिक्योरिटीज- सरकार समय-समय पर ऐसी सरकारी प्रतिभूतियां जारी करती रहती है। यह उसके नियमित उधार कार्यक्रम का हिस्सा है, जिससे वित्तीय जरूरतें पूरी होती हैं।

यानी आसान शब्दों में कहें तो सरकार निवेशकों को सरकारी बॉन्ड्स में शामिल होने का मौका दे रही है। इससे बड़े संस्थानों के साथ-साथ छोटे निवेशक भी फायदा उठा सकते हैं।

अनिल अंबानी के लिए डबल खुशखबरी ! Rinfra को मिला नया ऑर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अंबानी के लिए दो अच्छी खबरें आई हैं। दरअसल उनकी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर को पब्लिक सेक्टर की एनएचपीसी से एक नया ऑर्डर मिला है। ये ऑर्डर 390 मेगावाट सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट और 780 मेगावाट-घंटे की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए है।

वहीं दूसरी तरफ रिलायंस पावर ने भूटान की सरकारी कंपनी ग्रीन डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक नया जॉइंट वेंचर बनाने का ऐलान किया है। जीडीएल-रिलायंस सोलर प्राइवेट लिमिटेड (जीआरएसपीएल) नामक इस यूनिट का आधिकारिक गठन 24 जुलाई 2025 को हुआ था।

दोनों शेयरों में लगा अपर सर्किट रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रा दोनों के शेयरों में अपर सर्किट लग गया है। दोनों के शेयरों में 5 फीसदी तेजी है।

रिलायंस इंफ्रा का शेयर BSE पर 262.40 रु के पिछले क्लोजिंग लेवल के मुकाबले 13.10 रु या 4.99 फीसदी की तेजी के साथ 275.50 रु पर है, जबकि रिलायंस पावर का शेयर 2.16 रु या 4.99 फीसदी की तेजी के साथ 45.44 रु पर है। ये कल 43.28 रु पर बंद हुआ था।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि एक बार चालू हो जाने पर यह रिलायंस ग्रुप के सेगमेंट में 700 मेगावाट सोलर डीसी कैपेसिटी और 780 मेगावाट-घंटा बीईएसएस कैपेसिटी जोड़ेगी।

रेलवे लाया नया नियम! अब स्टेशन पर ही तोला जाएगा सामान, लिमिट से ज्यादा हुआ तो देना होगा 6 गुना तक एक्स्ट्रा चार्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन रेलवे की तरफ से एक बड़ा अपडेट आया है, जो आपके सामने से जुड़ा है। दरअसल अब रेल यात्रियों को लगेज के मामले में भी सावधान रहना होगा, क्योंकि एयरपोर्ट की तरह ही रेलवे भी यात्रियों के सामान की जांच की नई व्यवस्था लागू करने जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत रेलवे स्टेशन पर चढ़ने से पहले आपका सामान तौला जाएगा। इतना ही नहीं यदि आपका सामान तय सीमा से ज्यादा वजन वाला निकला तो आपको अतिरिक्त चार्ज भी देना पड़ेगा।

कब लागू होगा नया सिस्टम- भारतीय रेलवे का नया लगेज सिस्टम चालू वित्तीय वर्ष में लागू करने की योजना है। इसके तहत प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, मीरजापुर, अलीगढ़, टूंडला समेत मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर प्रवेश और निकास गेट पर इलेक्ट्रानिक वजन मशीनें लगाई जा रही हैं।

इन मशीनों से हर यात्री के बैग और बक्से का वजन मापा जाएगा। रेलवे ने अलग-अलग कैटेगरी में लगेज की सीमा भी तय कर दी है।

किस कैटेगरी में कितना सामान होगा फ्री- बता दें कि एसी फर्स्ट क्लास में 70 किलो और एसी टू में 50 किलो तक सामान ले जाने की अनुमति होगी। वहीं स्लीपर और एसी थ्री में 40 किलो, जबकि जनरल में केवल 35 किलो तक सामान ले जाने की इजाजत होगी। अगर यात्री इस सीमा से अधिक सामान लेकर चलते हैं और पहले से बुकिंग नहीं कराई है, तो 6 गुना तक जुर्माना वसूला जा सकता है।

क्यों उठाया जा रहा ये कदम- सीनियर डीसीएम हिमांशु शुक्ला ने बताया कि यह कदम यात्रियों की सुविधा और ट्रेनों में भारी-भरकम लगेज पर नियंत्रण रखने के लिए उठाया जा रहा है। यह व्यवस्था केवल वजन ही नहीं, बल्कि आकार भी जांच के दायरे में रहेगा। यानी यदि बैग हल्का है लेकिन जगह ज्यादा घेरता है, तो भी अतिरिक्त शुल्क चुकाना पड़ सकता है।

बच्चों के लिए कपड़ा बनाने वाली कंपनी दे रही एक पर 4 बोनस शेयर, 6 महीने में पैसा किया डबल!

नई दिल्ली (एजेंसी)। कार्निका इंडस्ट्रीज ने असाधारण आम बैठक में शेयरधारकों ने कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी। बैठक में पूंजी वृद्धि, बोनस शेयर इश्यू, प्रबंधकीय वेतनवृद्धि और संबंधित पक्ष के साथ लेन-देन से जुड़े अहम निर्णय लिए गए हैं। सबसे पहले, कंपनी ने अधिकृत शेयर पूंजी को 25 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 70 करोड़ रुपये करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। यह कदम भविष्य की पूंजीगत जरूरतों और विस्तार योजनाओं को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।

बैठक में दूसरा बड़ा निर्णय बोनस शेयर जारी करने का रहा। कंपनी अब पात्र निवेशकों को 1 शेयर पर 4 नए इक्विटी शेयर 10 रुपये के अंकित मूल्य पर जारी करेगी। इसके लिए एक रिकॉर्ड डेट बोर्ड तय करेगी। इस कदम से निवेशकों का विश्वास और मजबूत होने की उम्मीद है। इसके शेयर ने 6 महीनों में निवेशकों को 100 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। तीसरा प्रस्ताव कंपनी के प्रबंध निदेशक निरंजन मुंधा तथा पूर्णकालिक निदेशक शिवशंकर मुंधा और महेश कुमार मुंधा के वेतन में बढ़ोतरी से जुड़ा रहा। विशेष प्रस्ताव के तहत इनकी पारिश्रमिक सीमा 1 अप्रैल 2025 से 10 लाख रुपये तक करने को मंजूरी दी गई।

यह कोई मज़ाक है?, 3000 बीघा जमीन सीमेंट कंपनी को आवंटित करने पर हाई कोर्ट की फटकार; अदाणी ग्रुप ने दी सफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुवाहाटी हाईकोर्ट ने असम के आदिवासी बहुल दीमा हसाओ जिले में एक निजी सीमेंट कारखाने को 3,000 बीघा जमीन आवंटित करने पर राज्य सरकार की आलोचना की है और पूछा है कि क्या यह कोई मजाक है।

कोर्ट ने उत्तरी कछार हिल्स जिला स्वायत्त परिषद के वकील को निर्देश दिया कि वह कंपनी को जमीन का इतना बड़ा हिस्सा आवंटित करने की नीति से संबंधित रिकार्ड प्राप्त करके अदालत के समक्ष पेश करें।

जस्टिस संजय कुमार मेधी ने अपने आदेश में कहा कि मामले के तथ्यों पर सरसरी निगाह डालने से पता चलता है कि आवंटित की गई जमीन लगभग 3000 बीघा है, जो अपने आप में असाधारण प्रतीत होती है। याचिका की सुनवाई के दौरान जज ने कहा, 3,000 बीघा!..क्या हो रहा है?

3,000 बीघा जमीन एक निजी कंपनी को आवंटित?..यह कैसा फैसला है? क्या यह कोई मजाक है या कुछ और? पिछले हफ्ते दो रिट याचिकाओं की सुनवाई के दौरान जज ने एक टिप्पणी में कहा कि यह पूरे जिले का क्षेत्रफल हो सकता है।

22 लोगों ने दायर की पहली याचिका- पहली याचिका असम सरकार, एनसीएचडीएसी और अन्य संबंधित विभागों के खिलाफ 22 लोगों द्वारा दायर की गई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि उन्हें दीमा हसाओ जिले में उनकी वैध रूप से अधिकृत भूमि से बेदखल किया जा रहा है।

दूसरी याचिका महाबल सीमेंट कंपनी द्वारा दायर की गई थी, जिसे संयंत्र के निर्माण के लिए 3,000 बीघा (लगभग 991.73 एकड़) भूमि आवंटित की गई है। जस्टिस मेधी ने कहा कि ये दोनों रिट याचिकाएं आपस में जुड़ी हुई हैं और इन पर एक साथ सुनवाई की जाएगी।

कौन है बिजनेसमैन कपिल वधावन, जिसे कोर्ट ने करार दिया दिवालिया, गबन कर गया इस सरकारी बैंक के 4500 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्प के पूर्व चेयरमैन कपिल वधावन को दिवालिया घोषित कर दिया है। हृष्टरुञ्ज ने यह फैसला यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के मामले में सुनाया है। दरअसल, इस सरकारी बैंक ने कपिल वधावन और उनकी डूब चुकी फर्म ष्ठ॥स्नरु से 4546 करोड़ रुपये की वसूली के लिए याचिका डाली थी।

इस मामले में कपिल वधावन, एनसीएलटी को रिपेमेंट प्लान देने में नाकामयाब रहे। इसके बाद 14 अगस्त को ट्रिब्यूनल ने एक आदेश पारित कर ष्ठ॥स्नरु के पूर्व चेयरमैन कपिल वधावन को दिवालिया करार दे दिया।

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने अपने आदेश में, कपिल वधावन को निर्देश दिया कि वह दिवालियापन ट्रस्टी संजय कुमार मिश्रा को अपनी आर्थिक स्थिति का विवरण दे, जिन्हें यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रस्तावित और न्यायाधिकरण द्वारा नियुक्त किया गया था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

MP में शिक्षक पर हमला... छात्र ने पेट्रोल डालकर लगाई आग, गिरफ्तार

नरसिंहपुर। सोमवार को नरसिंहपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां उत्कृष्ट विद्यालय की एक 26 वर्षीय अतिथि शिक्षिका पर उसी स्कूल के एक पूर्व छात्र ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इस हमले में शिक्षिका करीब 25 प्रतिशत तक झुलस गई हैं और उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना का कारण और आरोपी की पहचान-अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया ने बताया कि आरोपी की पहचान 18 वर्षीय सूर्यांश कोचर के रूप में हुई है, जो पहले उत्कृष्ट विद्यालय का छात्र था। पुलिस के अनुसार आरोपी और पीड़िता एक-दूसरे को जानते थे। घटना की वजह 15 अगस्त के एक कार्यक्रम से जुड़ी है, जिसमें शिक्षिका ने साड़ी पहनी थी। आरोपी ने इस पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसकी शिकायत शिक्षिका ने स्कूल प्रबंधन से की थी। इसी बात से गुस्सा होकर सूर्यांश ने यह कदम उठाया।

हमले का तरीका और गिरफ्तारी-सोमवार दोपहर सूर्यांश एक बोतल में पेट्रोल लेकर शिक्षिका के घर पहुंचा। उसने शिक्षिका पर पेट्रोल छिड़का और लाइटर से आग लगाकर तुरंत वहां से भाग गया। एसडीओपी मनोज गुप्ता ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को डोंगरगांव थाना क्षेत्र के कल्याणपुर से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

आरोपी का पिछला रिकॉर्ड-उत्कृष्ट विद्यालय के प्रिंसिपल जीएस पटेल ने बताया कि आरोपी सूर्यांश 9वीं कक्षा तक उनके स्कूल में पढ़ता था। उसकी खराब तबीयत और लगातार आने वाली शिकायतों के कारण उसे स्कूल से निकाल दिया गया था। प्रिंसिपल ने यह भी बताया कि वह अपनी उम्र से बड़े लोगों के साथ रहता था।

वर्तमान में सूर्यांश कल्याणपुर के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में 12वीं (बायोलॉजी) का छात्र है। वहां के प्राचार्य ओपी कौरव ने बताया कि सूर्यांश कुछ दिन पहले दादा के साथ जयपुर जाने की बात कहकर स्कूल से गया था और उसके बाद से लौटा नहीं था।

MP के अमरपुर में ग्रामीणों का फूटा गुस्सा... सड़क, बिजली, पानी की समस्या पर किया चक्का जाम

अमरपुर। जिले के जनपद अमरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत झरना घुघरी के ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पानी की समस्या से त्रस्त होकर मंगलवार की दोपहर 12 बजे से अमरपुर पुलिस चौकी के पार फॉरेस्ट तिराहा पर चक्का जाम कर दिया।

ग्रामीणों को फूटा गुस्सा-ग्रामीणों का कहना है कि वे लंबे समय से पानी, सड़क और बिजली की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग और पंचायत कोई समाधान नहीं निकाल रहे। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि जनजीवन मिशन की लापरवाही के कारण पानी की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। सड़क और बिजली व्यवस्था भी बदहाल है, जिससे उनका जनजीवन काफी प्रभावित है।अमरपुर रोड पर किया चक्का जाम चक्का जाम की सूचना पर मौके पर नायब तहसीलदार और चौकी प्रभारी पुलिस बल के साथ पहुंचे हैं, अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों से चर्चा कर स्थिति को सामान्य बनाने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल चक्का जाम के कारण सक्का अमरपुर रोड में आवागमन बाधित है।

मार्ग के दोनों ओर वाहनों का जमावड़ा लगा है और राहगीर परेशान होते है। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी समस्या का समाधान होने के बाद ही वे चक्का जाम समाप्त करेंगे।

12 दिनों से लापता अर्चना तिवारी मिली सुरक्षित... स्वजनों से हुई बात, मुंहबोले भाई ने की पुष्टि

कटनी । मध्य प्रदेश के कटनी जिले की अर्चना तिवारी पिछले 12 दिनों से लापता हैं। अर्चना इंदौर में रहकर सिविल जज की तैयारी कर रही थीं और रक्षाबंधन के मौके पर अपने घर कटनी के लिए ट्रेन से रवाना हुई थीं। लेकिन चलती ट्रेन से गायब हो गई।

ग्वालियर में मिली अर्चना तिवारी-इंदौर से कटनी आते समय नर्मदा एक्सप्रेस से रहस्यमय तरीके से लापता मंगलनगर निवासी अर्चना तिवारी के ग्वालियर में मिलने की सूचना आई है, हालांकि अभी यह स्पष्ट नही है कि वह ग्वालियर में कहां से मिली है। उनके स्वजन कटनी से रवाना हुए हैं, जबकि जीआरपी की एक टीम पहले ही ग्वालियर रवाना हो चुकी थी।वहीं जीआरपी की दूसरी टीम भी स्थानीय स्तर पर रवाना हुई है लेकिन कहां गई है यह जानकारी मीडिया को फिलहाल नही दी जा रही है। अर्चना के मुंहबोले भाई अंशु मिश्रा ने अर्चना से उसकी मां बात करने की बात बताई है। अर्चना कहां से मिली और किस परिस्थिति में मिली इसको लेकर अभी जानकारी स्पष्ट नही हो पाई है।

भोपाल में अवैध डेयरी से गोकशी का खुलासा

भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र के कम्मू के बाग में संचालित एक अवैध डेयरी से गोकशी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस की छापेमारी में डेयरी से दो गायों के सिर और एक क्विंटल से अधिक गोमांस बरामद किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपितों के खिलाफ रासुका लगाने और उनकी अवैध डेयरी व मकान पर बुलडोजर चलाने की मांग की। अधिकारियों की समझाइश के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए डेयरी संचालक 65 वर्षीय जब्बार और उसके 40 वर्षीय बेटे रूसी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। ऐशबाग थाना प्रभारी विजयबहादुर सिंह सेंगर ने बताया कि सोमवार तड़के गुप्त सूचना पर पुलिस टीम ने दबिश दी। मौके पर गायों के सिर, गोमांस और अन्य सामग्री बरामद की गई। साथ ही यह भी सामने आया कि डेयरी नगर निगम में पंजीकृत नहीं थी। हिंदू संगठनों का दावा हिंदू संगठनों ने दावा किया है कि उन्होंने ही गौ तस्करों को पकड़कर पुलिस को सूचना दी।

विहिप के जिला विभाग संयोजक अभिजीत सिंह राजपूत ने बताया कि स्थानीय लोगों से जानकारी मिलने के बाद उन्होंने लोडिंग ऑटो का पीछा किया और उसे रायसेन रोड से पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं पुलिस का कहना है कि अवैध डेयरी से बरामद सामग्री को गायों के पीएम के लिए भेजा गया था। हालांकि पीएम के लिए निजी ऑटो का इस्तेमाल किए जाने पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जादू टोना के शक में हुई थी महिला की हत्या, पुलिस ने किया पर्दाफाश, एक आरोपी गिरफ्तार

डिंडौरी। जिले के अमरपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जलेगांव में 16 अगस्त को 55 वर्षीय महिला की हत्या के मामले का पर्दाफाश पुलिस ने कर दिया है। जादू टोना के शक के चलते महिला की हत्या गांव के एक युवक द्वारा की गई थी। पुलिस ने बताया कि महिला की हत्या की सूचना प्राप्त होने पर थाना समनापुर व अमरपुर चौकी पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर जांच प्रारंभ की गई। मृतिका सावित्री बाई परस्ते का शव घर के आंगन में खून से लथपथ हालत में मिला था। शव के पास एक लोहे की बरछी भी पाई गई थी।

हिरासत में लेकर पूछताछ जारी-मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह के निर्देशन में एफएसएल टीम बालाघाट द्वारा घटना स्थल निरीक्षण व वीडियोग्राफी की गई। जांच के दौरान मृतिका की पुत्री सहित अन्य ग्रामीणों से जानकारी लेकर आरोपित दद्दू उर्फ राधे उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम जलेगांव को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपित ने आपसी रंजिश व मृतका पर जादू टोना करने के संदेह के चलते धारदार हथियार से हत्या करना स्वीकार किया। हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद आरोपित को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया गया है। आरोपित के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय में पेश किया गया। कार्रवाई में एसडीओपी बजाग विवेक गौतम, थाना प्रभारी समनापुर हरिशंकर तिवारी, एसआई पारस यादव, चौकी प्रभारी अमरपुर अतुल हरदाहा, एएसआई रामरतन झारिया, प्रधान आरक्षक गंगा यादव व आरक्षक अजीत धुर्वे शामिल रहे।

बरसाती पहन पड़ोसी के घर से महिला ने उड़ाए सोने-चांदी के गहने

जबलपुर। गोहलपुर थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला की नजर पड़ोसी के आभूषण पर पड़ गई। उसने उन्हें चोरी करने की योजना बनाई। पड़ोसी के घर उठने-बैठने के दौरान मौका पाकर अलमारी और लाकर की चाबी चुरा लिया। फिर जब घर पर ताला लगा मिला तो महिला बरसाती पहनकर पहुंची। घर के अंदर आलमारी और लाकर खोलकर उसके अंदर रखे आभूषण चुरा लिए।

पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कि तो शातिर महिला पकड़ में आ गई। अमखेरा गली नंबर एक में परवेज कुरैशी अपनी पत्नी साजदा बी के साथ रहते है। गत माह परवेज किसी काम से बाहर गए थे। तभी पत्नी घर पर ताला लगाकर अधारताल स्थित अपने मायके चली गई। जहां, से एक दिन बाद लौटी तो अंदर आलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण गायब मिले। कब हुई थी घटना?जानकारी पुलिस को दी गई। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई तो एक महिला की संदिग्ध गतिविधि मिली, जिसकी पहचान साजदा के मायके में पड़ोस में रहने वाली संजीदा बी के रूप में हुई। आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बिना बारिश के बुर्का के ऊपर रेनकोट पहना-चोरी के आरोपित की तलाश में जांच शुरू की तो घटना वाले दिन परवेज के घर के पास एक महिला बरसाती पहनी जाते दिखी। उसने बुर्का के ऊपर से बरसाती पहन रखा था।

जिला पंचायत इंदौर में आयोजित हुई पंचायत उन्नति सूचकांक कार्यशाला

इंदौर। जिला पंचायत इंदौर के सभाकक्ष में सोमवार को पंचायत उन्नति सूचकांक वर्ष 2022-23 का विमोचन एवं प्रचार-प्रसार हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में पंचायत एवं जिला विकास सूचकांक के 9 विषयों पर जिले की अलग-अलग ग्राम पंचायतों का चयन किया गया। निर्धारित सूचकांको पर पूर्ण पाए जाने पर प्रथम पुरूस्कार 11000 रूपये ग्राम पंचायत अजनोद,ज.पं. सांवेर, द्वितीय पुरूस्कार 7100 रूपये ग्राम पंचायत दर्जी कराडिया, जनपद पंचायत सांवेर एवं तृतीय पुरूस्कार राशि 5100 रूपये ग्राम पंचायत चित्तोड़ा, जनपद पंचायत सांवेर को प्रदाय की गई। ग्राम पंचायत डांसरी,रंगवासा, लसुडिया परमार, मकोडिया,गुरान, नागपुर, रंगवासा में प्रत्येक ग्राम पंचायत को राशि 2100-2100 रूपये पुरूस्कार स्वरूप प्रदान किये गये। ग्राम पंचायत पचोला, कछालिया,मांगल्या सड़क, बरलाई जागीर, पलासिया, कलारिया, बलरिया,सोलसिन्दा, कदवाली बुजुर्ग, पीरकरडीया को सूचकांको पर कार्य करने हेतु

प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है।

सशक्त पंचायत सतत विकास की अवधारणा के साथ पंचायतों को सशक्त बनाने,उनके कामकाज को पारदर्शी और कुशल बनाने के किए गए कार्य के आधार पर जिले की ग्राम पंचायत को पंचायत विकास सूचकांक कार्यक्रम में शासन के उद्देश्य की पूर्ति हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत इंदौर श्री सिद्धार्थ जैन, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संजय तिवारी, परियोजना अधिकारी श्री विजय शर्मा एवं डी. पी. एम. ऋतु आकांक्षा सक्सेना ने पंचायतों के समग्र विकास के सम्बन्ध में विस्तार से उद्बोधन दिया एवं सम्मानित पंचायतों के प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा आप सभी ने जो कार्य किए हैं, उनसे प्रेरणा लेते हुए अन्य पंचायतें भी इन सूचकांको पर कार्य करने हेतु प्रेरित होगी। साथ ही भविष्य में आवश्यकता है कि सभी पंचायतें अपने क्षेत्र में शासन की मंशा अनुरूप और बेहतर कार्य करें, ताकि आमजन को इसका सीधा लाभ मिल सके।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य यही है कि पंचायतें व पंचायत प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक संकेतकों का उपयोग करके पंचायतों के विकास कार्य करें, ताकि अन्य पंचायतें आपसे प्रेरणा लेकर अपनी पंचायतों को बेहतर बना सकें । उन्होंने कहा कि यह महज सम्मान नहीं, बल्कि एक उदाहरण और चुनौती भी है जिससे बाकी पंचायतों को अपनी कमियों को पहचानकर सुधार की दिशा में प्रयास करना चाहिए । जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय ने अपने उद्बोधन में जनप्रतिनिधियों को शासन कि मंशानुरूप कार्य करते हुए आम जनमानस कि समस्याओं के निराकरण पर विशेष ध्यान देने व समय सीमा में कार्य पूर्ण करने हेतु कहा गया।

कार्यक्रम के दौरान श्रीमती आकांक्षा सक्सेना डीपीएम आरजीएसए जिला पंचायत इंदौर ने सूचकांक की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि पंचायत उन्नति सूचकांक PAI 1.0 स्थानीय समुदायों की जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह 9 प्रमुख विषयों के आधार पर पंचायतों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है। इन विषयों को सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप तैयार किया गया है, जिससे विकास अधिक प्रासंगिक और सार्थक बनता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022-23 के प्रदर्शन के आधार पर जिले की 20 श्रेष्ठ पंचायतों को आज इस कार्यशाला में सम्मानित किया जा रहा है। महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान जबलपुर के द्वारा उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया गया।

बीड़ी श्रमिकों के बच्चों को उच्च शिक्षा हेतु मिलेगी 25 हजार रुपये तक की छात्रवृत्ति

इंदौर। शिक्षा हेतु वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत बीड़ी, चूना पत्थर, डोलोमाईट तथा लौह-मैग्नीज-क्रोम अयस्क खदान श्रमिक एवं उनके पुत्र-पुत्रियों को शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। योजनांतर्गत कक्षा 1 से उच्च शिक्षा प्राप्त करने पर एक हजार रुपये से 25 हजार रुपये तक छात्रवृति प्रदान की जाती है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में छात्रवृत्ति के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। विद्यार्थियों को आवेदन करने के लिए ओटीआर एवं फेस ओथेंटिकेशन प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है। आवेदन की पात्रता एवं अन्य जानकारी नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर उपलब्ध है। बीड़ी श्रमिक औषधालय इंदौर के चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि छात्रवृत्ति हेतु प्री मेट्रिक के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त तथा पोस्ट मेट्रिक हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है। विद्यार्थियों को आवश्यक दस्तावेजों को स्पष्ट और पठनीय स्थिति में स्कैन कर ऑनलाइन अपलोड करना होगा। ऑनलाइन आवेदन करने के पश्चात अपने शिक्षण संस्थान में संपर्क कर अपने आवेदन को स्कॉलरशिप पोर्टल के माध्यम से ही सत्यापित करवाना होगा। बिना सत्यापित आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा। ऑनलाइन आवेदन करने संबंधी अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु जबलपुर मुख्यालय के दूरभाष क्रमांक- 0761-4039511, 4039510 या e-mail ID - wc.jabalpur@rediffmail.com, wcjab@mp.gov.in तथा कल्याण प्रशासक कार्यालय, इन्दौर के दूरभाष क्रमांक- 0731-2703530 व e-mail ID-waind@mp.gov.in पर संपर्क स्थापित किया जा सकता है।

कानून व्यवस्था और सिंहस्थ-28 के दृष्टिगत प्रदेश में 22500 पुलिस कर्मियों की होगी भर्ती

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था और सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत आगामी 3 वर्षों में पुलिस विभाग में 22500 पदों पर भर्ती की जाएगी। अभी तक पुलिस विभाग में भर्तियां कर्मचारी चयन मंडल द्वारा होती हैं। पुलिस को जल्द से जल्द मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए अब मध्यप्रदेश पुलिस भर्ती बोर्ड का गठन किया जाएगा और यही बोर्ड पुलिस की भर्तियां करेगा। इससे पुलिस भर्ती में तेजी, पारदर्शिता और परफेक्शन आएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की घोषणा से युवाओं में खासा उत्साह है और वे इसके लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. ने कहा कि वर्ष 2025 के लिए पुलिस में स्वीकृत पदों की भर्ती मध्य प्रदेश पुलिस भर्ती बोर्ड की ओर से कर्मचारी चयन मंडल करेगा। वर्ष 2026 से ये भर्तियां पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा ही की जाएंगी। प्रतिवर्ष पुलिस के रिक्त 7500 पदों पर भर्ती की जाएगी और इस प्रकार आगामी 3 वर्ष में पुलिस विभाग के सभी रिक्त 22,500 पद भर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गृह विभाग से जुड़ी सभी सेवाओं के आधुनिकीकरण एवं भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए शीघ्र ही गृह एवं वित्त विभाग की संयुक्त बैठक कर सभी लंबित मामलों का समुचित समाधान कर लिया जाएगा।

जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने मध्यप्रदेश में एआई, नवाचार और अनुसंधान एवं विकास के अवसर तलाशे

इंदौर। इंदौर स्थित इन्फोबीन्स कैंपस में सोमवार को एमपी-ग्लोबल इनोवेशन एवं अनुसंधान और विकास एक्सचेंज प्रोग्राम-2025 की शुरुआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई। पाँच दिवसीय इस आयोजन के प्रथम दिवस पर जर्मन व्यावसायिक प्रतिनिधिमंडल ने कॉर्पोरेट इंटरैक्शन की श्रृंखला में भाग लिया और मध्यप्रदेश में नवाचार तथा अनुसंधान और विकास की संभावनाओं का गहन अवलोकन किया।

यह कार्यक्रम एमपीआईडीसी और जर्मन-इंडिया इनोवेशन कोर (जीआईआईसी) के बीच हुए समझौते का ठोस स्वरूप है, जिसे इन्क्यूबेशन मार्क्स के सहयोग से आयोजित किया गया। नवंबर 2024 में मुख्यमंत्री की जर्मनी यात्रा तथा भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के दौरान हुए इस एमओयू ने द्विपक्षीय सहयोग को नए आयाम दिए हैं। इसके तहत जर्मन निवेशकों को मध्यप्रदेश में प्रमुख निवेश स्थान के रूप में आकर्षित करने, नवाचार और अनुसंधान को सशक्त बनाने तथा तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

कार्यक्रम में भारत से वैश्विक स्तर के डिजिटल उत्पाद बनाना, भारतीय नवाचार परिदृश्य और एजिलिटी के साथ स्केलिंग-भारतीय और जर्मन दृष्टिकोण विषयों पर फायरसाइड चैट आयोजित की गई। इस दौरान दोनों पक्षों के विशेषज्ञों ने नवाचार, अनुसंधान और विकास तथा सीमा-पार कारोबारी सहयोग पर अपने विचार साझा किए।

ट्रांसजेंडर बच्चे घरों में रखें तो किन्नर समूह पैदा ही नहीं होंगे

इंदौर। जो किन्नर बधाई लेने घर-घर पहुंचते हैं, वह समाज के उन लोगों की देन हैं, जो अपने मासूम ट्रांसजेंडर बच्चों को किन्नर बाड़े में तो छोड़ जाते हैं लेकिन किन्नरों की आजीविका के लिए पर्याप्त दानराशि नहीं देना चाहते।

यह कहना है किन्नर आचार्य एवं महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी का। डॉ. त्रिपाठी स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों से बात-चीत कर रही थीं। उन्होंने किन्नरों द्वारा त्योहार और विभिन्न अवसरों पर मांगी जाने वाली बधाई का समर्थन करते हुए कहा कि किन्नर बाड़े में सभ्य समाज के लोग ट्रांसजेंडर बच्चे छोड़कर चले जाते हैं। जब वे बच्चे बड़े होकर किन्नर बनते हैं तो सोचिए समाज के लिए उनके मन में कैसी भावनाएं पनपती होगी। इंदौर में भी कई माँ-बाप दूध पीते बच्चों को छोड़ गए जिन्हें पाल-पोस और पढ़ा-लिखाकर बढ़ा किया गया। मेरा मानना है कि ट्रांसजेंडर बच्चों को परिजन अपने पास रखना शुरू कर देंगे तो किन्नर समूह आकर ही नहीं लेंगे।

डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि समाज के अन्य लोगों की तरह सभी किन्नर भी एक जैसे नहीं होते। कहीं-कहीं कोई घटनाएं घट जाती हैं। उन्होंने कहा कि हम 70 जात की रोटी खाते हैं, जाति और धर्म में भेद नहीं करते लेकिन यह बात भी सच है कि किन्नर के पढ़े-लिखे और योग्य होने के बाद भी लोग उन्हें नफरत भरी नजरों से देखते हैं और उन्हें ना तो समानता का हक देते हैं ना नौकरी देते हैं।

उन्होंने बताया कि वे स्वयं ब्राह्मण परिवार में पैदा हुई, पढ़ी-लिखी और योग्य थी। इसके बावजूद उन्हें किसी ने नौकरी या आजीविका का साधन उपलब्ध नहीं कराया। जो लोग किन्नर को बधाई की पर्याप्त राशि नहीं देते, उन्हें समझना चाहिए कि घोड़ा घास से दोस्ती करेगा तो खाएगा क्या?उन्होंने बताया कि आजकल अधिकांश किन्नर सनातन की राह पर चल पड़े हैं क्योंकि किन्नर शैव संप्रदाय के अधीन शिव के गण हैं। हालांकि सखी संप्रदाय में कृष्ण को मानने वाले किन्नर भी सखी किन्नर हैं और देवी को मानने वाले शाक्त किन्नर होते हैं, लेकिन सनातन धर्म में सम्मान है और स्वाभिमान है।

पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजयसिंह ने समाजसेवी मदन परमालिया को किया सम्मानित

इंदौर। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक आदरणीय सत्यनारायण पटेल द्वारा भारत जोड़ो यात्रा एवं भारत न्याय यात्रा पर आधारित एक विशेष पुस्तक का विमोचन एक गरिमामय समारोह में संपन्न हुआ। इस पुस्तक में यात्रा के दौरान के चित्रों, समाचारों एवं प्रमुख घटनाओं का संग्रह किया गया है।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह राजा साहब, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राधेश्याम पटेल तथा इंदौर शहर कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री चिंटू चौकसे उपस्थित रहे और संयुक्त रूप से उपस्थित थे।।

इस मौके पर समाजसेवी मदन परमालिया को पटेल परिवार के प्रति निष्ठा और समर्पण के लिए शाल-श्रीफल से पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने सम्मानित किया।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उजैन, से प्रकाशित
संपादक मंडल
श्री संजय ज्ञानी — संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास — संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य — कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा — उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय — विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव — विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे — ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर — संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर — संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी — विशेष प्रतिनिधि

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

शहर में अवैध निर्माण बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे कार्यवाही करने में कोताही ना हो - निगम आयुक्त

आयुक्त द्वारा भवन निर्माण अनुज्ञा की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

उज्जैन। शहर में अवैध निर्माण बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे, अवैध निर्माण से शहर की छवि धूमिल होती है जिन अवैध निर्माणों को रोकने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं उन पर कार्यवाही होना चाहिए इसलिए आप सभी भवन अधिकारी एवं भवन निरीक्षक अपने जोन क्षेत्र में भवन निर्माण अनुज्ञा की जांच करेंगे यह बात मंगलवार को निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा भवन निर्माण अनुज्ञा की समीक्षा बैठक में अधिकारियों से कही गई।

निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा मंगलवार को भवन निर्माण एवं अनुज्ञा शाखा की प्रथम बैठक आयोजित की गई जिसमें सर्वप्रथम अधिकारियों से जानकारी ली गई कि किन अधिकारियों द्वारा जोन में भवन अधिकारी एवं भवन निरीक्षक का

दायित्व संभाला जा रहा है, आपने अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शहर में अवैध निर्माण बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा जितने भी अवैध निर्माण पर कार्रवाई की जाना है उन पर कार्यवाही करें एवं भवन निर्माण से संबंधित अनुज्ञा के आवेदन लंबित ना रहे इस बात का भी ध्यान रखा जाए।

शहर के आंतरिक मार्गों के चौड़ीकरण कार्य के अंतर्गत इस बात का ध्यान रखा जाए की चौड़ीकरण कार्य होने के पश्चात मार्ग पर अवैध निर्माण ना हो जहां भी अवैध निर्माण पाया जाता है संबंधित भवन स्वामी को सूचित किया जाए कि नगर निगम द्वारा जारी भवन अनुज्ञा के अनुरूप ही निर्माण कार्य किया जाए बिना अनुमति के जो निर्माण किया जाएगा उसे निगम द्वारा हटाने की कार्यवाही की जाएगी इसलिए अधिकारियों को निरंतर फील्ड में घूमना पड़ेगा एवं सिंहस्थ क्षेत्र में विशेष कर ध्यान रखना होगा ताकि अवैध निर्माण ना हो।

शहर के प्रमुख चौराहों एवं मार्गों पर जितने भी गिराऊ एवं जर्जर भवनों को चिन्हित किया गया है उन पर कार्यवाही की जाए ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना या जनहानि ना हो।

बैठक में अपर आयुक्त श्री संतोष टैगोर, अधीक्षण यंत्री श्री संतोष गुप्ता, सहायक यंत्री श्री डीएस परिहार, श्री राजकुमार राठौर, श्री दीपक शर्मा, श्री लक्ष्मण प्रसाद साहू, श्री राकेश वास्कले एवं उपयंत्री उपस्थित रहे।

मप्र सहकारिता विभाग पेंशनर्स अधिकारी संघ के वार्षिक सम्मेलन में हुआ सम्मान

उज्जैन। मप्र सहकारिता विभाग पेंशनर्स अधिकारी संघ की उज्जैन संभागीय शाखा का वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि श्रीयुत श्रीकुमार जोशी संयुक्त आयुक्त सेनि एवं विशिष्ट अतिथि आर एस गौर उपायुक्त सेनि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पेंशनर्स संघ के अध्यक्ष आर एस सोनी ने की। कार्यक्रम में संघ के वरिष्ठ सदस्य ओपी गुप्ता का 75 वर्ष पूर्ण करने पर शॉल श्रीफल स्मृतिचिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। विषय सूची अनुसार संघ के वित्तीय पत्रक एवं ऑडिट रिपोर्ट का वाचन गिरीश शर्मा ने किया। 11 नवीन पेंशनर्स साथियों का सम्मान प. नरेन्द्र कुमार व्यास, आर एस शर्मा, के सी मोदी, नारायण बहोरे, कमल ठाकुर आदि साथियों ने किया। अभिनंदन पत्र का वाचन एन के राय ने किया। सम्मेलन में कार्यपालन संघ के पूर्व अध्यक्ष मुकेश जोशी, सचिव नरेंद्र मालवीय, सुरेन्द्र मालवीय, अशोक बोहरा, सी एस असोडिया, बी एस बख्तरिया, एस सी शर्मा, पुरुषोत्तम सोनी, श्रीमती विजया ठाकुर,एस एन मेहता सहित रतलाम, मंदसौर, नीमच, देवास, शाजापुर के कार्यपालिक साथी अनिल जैन, जगदीश जोनवाल, वी एस मालवीय, राजेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में सहकारी अधिकारी मौजूद रहे। संचालन प्रदीप बदनोरे ने किया। कृतज्ञता ज्ञापन आर एस सोनी ने व्यक्त किया।

बाबा महाकाल की पालकी पर की पुष्पवर्षा, 51 किलो मोरधन की फरियाली खिचड़ी का किया वितरण

उज्जैन। हाथ ठेला एवं फुटपाथ व्यापारी संघ, असंगठित ई रिक्शा चालक परिचालक संघ संम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ द्वारा संयुक्त रूप से मंच लगाकर हजरत मोलना मौज दरगाह गेट के पास राम घाट मार्ग पर बाबा महाकाल की शाही सवारी पर पुष्पवर्षा की गई। इस दौरान 51 किलो मोरधन की फरियाली खिचड़ी का वितरण श्री मनोकामना सिद्ध हनुमान मंदिर के बाहर किया गया। शाही सवारी आयोजन समिति अध्यक्ष कालूराम चौहान, मंत्री मंजू सिंह चौहान, कोषाध्यक्ष रविन्द्र कार्तिकेय, संजय सिंह चौहान आदि।

पाट स्थापना के साथ प्रारंभ हुई नौ दिन नवकार आराधना

उज्जैन। जैन यूनिटी फोरम उज्जैन मुंबई द्वारा अवंती पार्श्वनाथ दादा के दरबार में संस्थापक मनोज सुराणा की प्रेरणा से विगत 15 वर्षों से पर्यूषण पर्व पर नौ दिन नवकार जाप, पारस इकतीसा, भक्तांबर स्त्रोत, चेत्यवंदन सहित विभिन्न धार्मिक गतिविधियां नौ दिन नवकार आराधना में प्रतिदिन सुबह होती है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी 19 अगस्त की सुबह ग्रुप परिवार द्वारा पाट स्थापना प्रभु की तस्वीर जाप स्थल पर लगाकर विधिवत रूप से नौ दिन नवकार आराधना प्रारंभ की गई।

ग्रुप संयोजक अंजू मनोज सुराणा ने बताया कि प्रथम दिन मंगलवार को सैकड़ों आराधकों ने आराधना की। लाभार्थी अनिल तारा वैभव ईशा सोनम इयांशु जैन रहे। मंडल के उपहार के लाभार्थी मनोज अंजू सुराणा रहे। पहले दिन बंपर ड्रा चांदी का सिक्का रमेश पावेचा को मिला। लक्की ड्रा डिजिटल तकनीक द्वारा निकाला गया। जीवन दीप महिला विंग, आदिश्वर महिला मंडल नयापुरा, मरुदेवी सामयिक मंडल बड़ा उपाश्रय आकर्षण का केंद्र रहे। मंडलों का बहुमान अवंती पार्श्वनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट द्वारा किया गया।

ढोंगी बाबा ने खुद को सीएम का खास बताकर किसानों को फंसाया, मुआवजा दिलाने के नाम पर ठगे 8.36 लाख रुपए

कालीकिराय, नाहरपुरा के 48 किसानों को ठग ने अपने जाल में फंसाया, खुद को कीर समाज का संत बताया

उज्जैन। उज्जैन के ढोंगी बाबा द्वारा खुद को सीएम डॉ. मोहन यादव का खास बताकर किसानों से मुआवजा दिलाने के नाम पर 8.36 लाख रुपए की ठगी की। धार जिले में 48 किसानों के साथ ठगी के मामले में ढोंगी बाबा की शिकायत जनसुनवाई में की गई।

सदरपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत जोलाना के मजरे कालीकिराय, नाहरपुरा के किसान शिकायत लेकर पहुंचे। उन्होंने बताया कि ठग ढोंगी बाबा ने कृषि भूमि का मुआवजा दिलाने के नाम पर 8 लाख 36 हजार रु की धोखाधड़ी कर ली। बाबा तेजुलाल चंदाना उर्फ तेजू बाबा ने ग्रामीणों को अपनी बातों में कुछ इस तरह फंसाया कि पहले ग्रामीणों ने बाबा का स्वागत सत्कार किया। इसके बाद बाबा ने ग्रामीणों के साथ बैठक लेकर उन्हें प्रलोभन दिया और कहा कि मैं मुख्यमंत्री का खास हूं उनसे मेरी सीधी बातचीत है। उनसे मिलकर आपकी मुआवजा राशि को बढ़ावा दूंगा। इसमें ग्रामीणों ने 2023 से 2024 तक को अलग-अलग राशि दी गई। जब किसानों को ठगी का एहसास हुआ तो वह उसकी तलाश में उज्जैन पहुंचे जहां ठग ने कहा कि तुम्हारे पास क्या सबूत है कि पैसे मैंने लिए है। इसके बाद ही किसानों ने शिकायत की। ग्रामीणों ने बताया कि माही परियोजना उपबंध में कालीकिराय व नाहरपुरा में डेम निर्माण में शासन द्वारा जमीन अधिग्रहण की गई थी। इसमें 7 गांव के लोगों को मुआवजा मिल गया था। वहीं 2 गांव के ग्रामीणों को मुआवजा नहीं मिला था। इसी का फायदा उठाकर बाबा ने किसानों को फंसाया।

उज्जैन पहुंचे तो ग्रामीणों को दी धमकी-लंबे समय तक जब ग्रामीणों के खाते में पैसा नहीं आया तो उन्हें ठगी का एहसास हुआ। जब ग्रामीण उज्जैन पहुंचे तो ठग ग्रामीणों को देख कर भड़क गया और कहने लगा कि आप लोग कार्यालय कैसे आ गए। आपके पास क्या सबूत है कि मुझे आपने पैसे दिए है। इसके बाद मंगलवार को ग्रामीणों ने जनसुनवाई में एसपी व सीएम हेल्प लाइन में शिकायत दर्ज करवाई है।

गांव आने पर ग्रामीण हुए थे भावुक-28 अगस्त 2023 को ठग तेजूबाबा धर्मेंद्र चौधरी नामक व्यक्ति के साथ कालीकिराय आया। जहां गांव के लोगों ने हार फूल पहनाकर ढोल धमाके के साथ ढोंगी बाबा का गांव का भ्रमण करवाया। एक जगह इकट्ठा कर सभी के बीच बैठक ली और फायदे की बात कही। लोगों ने कहा कि समिति बनाकर एक व्यक्ति को अधिकृत कर दो। अधिग्रहण की कार्रवाई में खर्च लगेगा। 150 रु प्रति व्यक्ति के हिसाब से 700 बीघा के हिसाब से सभी पैसा इकट्ठा करो।

बाबा के कहने के बाद 1 लाख 5 हजार बाबा को दे दिए। इसके के बाद बाबा पुनः गांव आया और कहां की मेरी मुख्यमंत्री से बात हो गई है। इसमें 4 लाख 16 हजार इकट्ठा कर ग्रामीणों ने दे दिए। इसके अलावा अन्य समय भी राशि दी। इस तरह 2024 तक कुल 48 किसानों ने ठग को 8 लाख 36 हजार रु दे दिए। इतना ही नहीं चेक के साथ ही स्टांप पर हस्ताक्षर कर बाबा को दिए।

श्री गुजराती रामी माली समाज शिक्षा समिति ने किया समाज की प्रतिभाओं का सम्मान

उज्जैन। श्री गुजराती रामी माली समाज, उज्जैन की शिक्षा समिति द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह समाज धर्मशाला, मालीपुरा में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह में समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं एवं खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी रवि सोलंकी थे। विशिष्ट अतिथियों में प्रेमनारायण परमार (छोटू सर) अध्यक्ष श्री गुजराती रामी माली समाज (मध्यप्रदेश), दिनेश परमार प्रदेश अध्यक्ष शिक्षा समिति, सत्यनारायण चौहान पार्षद, प्रेमलता ओमप्रकाश रामी पार्षद, समाज के पटेल जगदीश पटेल मौजूद रहे। अध्यक्षता समाज अध्यक्ष द्वारकाधीश चौहान ने की। अतिथियों का स्वागत शिक्षा समिति अध्यक्ष योगेश चौहान ने किया। परिचय, स्वागत भाषण अनिल बारोड़ ने दिया। कार्यक्रम में समाज के कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रत्येक को 7000 की प्रोत्साहन राशि समाज के सहयोगकर्ताओं द्वारा भेंट की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा निरन्तर 18 वर्षों से प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम की प्रशंसा की ओर स्नेहपूर्ण में लिखित शुभ कामना संदेश भी भेजा।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com